मध्य भारतीय हार्ड ग्राउंड बारासिंगा संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम

कान्हा से सतपुड़ा पहुंचे 12 बारासिंगा

अनुरोध पटेरिया

जबलपुर। मध्य प्रदेश में विलुप्तप्राय मध्य भारतीय हार्ड ग्राउंड बारासिंगा के संरक्षण और विस्तार की दिशा में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की गई है। भारत सरकार के राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण, नई दिल्ली से अनुमोदन तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव), मध्य प्रदेश, भोपाल के निर्देशानुसार कान्हा टाइगर रिज़र्व से 12 बारासिंगा (8 मादा एवं 4 शावक) को सफलतापूर्वक सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व, नर्मदापुरम स्थानांतरित किया गया।

यह संवेदनशील अभियान कान्हा टाइगर रिज़र्व, मंडला के परिक्षेत्र सरही, बीट सौंफ, कक्ष क्रमांक 636 (सौंफ मैदान) में स्थापित बोमा पद्धति के माध्यम से संचालित किया गया। पकड़े गए बारासिंगा को विशेष रूप से तैयार वन्यजीव परिवहन वाहन द्वारा पूरी सुरक्षा, चिकित्सकीय निगरानी एवं निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व भेजा गया।

कुशल नेतृत्व में सफल अभियान

पूरा अभियान मौके पर उपस्थित श्री रविन्द्र मणि त्रिपाठी, क्षेत्र संचालक, कान्हा टाइगर रिज़र्व के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस दौरान श्री पुनीत गोयल, उप संचालक, डॉ. संदीप अग्रवाल, वन्यजीव चिकित्सक, डॉ. आर.के. चतुर्वेदी, वन औषधालय मुक्की, सहायक संचालक (बंजर), परिक्षेत्र अधिकारी सरही सहित बड़ी संख्या में वन अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। वन अमले की सतर्कता, तकनीकी दक्षता और आपसी समन्वय से यह कार्य बिना किसी क्षति के सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ।

संरक्षण से पुनर्जीवन की कहानी

गौरतलब है कि 1970 के दशक में कान्हा टाइगर रिज़र्व में बारासिंगा की संख्या घटकर मात्र 66 रह गई थी, जिससे इस प्रजाति के अस्तित्व पर गंभीर संकट उत्पन्न हो गया था। इसके पश्चात कान्हा प्रबंधन द्वारा अपनाए गए वैज्ञानिक संरक्षण उपायों, आवास प्रबंधन एवं सतत निगरानी के परिणामस्वरूप आज कान्हा में बारासिंगा की संख्या बढ़कर लगभग 1100 तक पहुँच गई है। यह देश के किसी एक संरक्षित क्षेत्र में बारासिंगा संरक्षण की सबसे बड़ी सफलता मानी जाती है।

जैव विविधता संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर

वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार यह पहल न केवल बारासिंगा संरक्षण, बल्कि मध्य प्रदेश की जैव विविधता को सुदृढ़ करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। आने वाले वर्षों में ऐसे और स्थानांतरण अभियानों के माध्यम से प्रदेश को बारासिंगा संरक्षण का राष्ट्रीय मॉडल बनाने की योजना है।

कान्हा से वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिज़र्व (नौरादेही) हेतु नर बाघ रवाना

वन्यजीव संरक्षण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कान्हा टाइगर रिज़र्व से एक नर बाघ को सुरक्षित रूप से वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिज़र्व (नौरादेही) के लिए रवाना किया गया। यह नर बाघ पूर्व में पेंच टाइगर रिज़र्व के रूखड़ परिक्षेत्र, सिवनी से रेस्क्यू किया गया था, जहाँ उस समय उसकी आयु लगभग 4–5 माह थी। इसके पश्चात बाघ को कान्हा टाइगर रिज़र्व के मुक्की स्थित घोरेला रिवाइल्डिंग बाड़ा में रखकर प्राकृतिक शिकार एवं स्वतंत्र विचरण हेतु प्रशिक्षित किया गया। वर्तमान में बाघ की आयु 33–35 माह है और वह पूर्णतः स्वस्थ एवं जंगल में स्वतंत्र जीवन के लिए सक्षम पाया गया। विशेषज्ञों की अनुशंसा के आधार पर बाघ को ऐसे संरक्षित क्षेत्र में छोड़े जाने का निर्णय लिया गया जहाँ बाघों का घनत्व कम हो तथा पर्याप्त प्राकृतिक आवास उपलब्ध हो। निश्चेतन उपरांत बाघ के सभी आवश्यक जैविक मापदंडों को अभिलेखित किया गया और वन्यप्राणी (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 11(1)(ए) के अंतर्गत अनुमति प्राप्त कर, निर्धारित मानक प्रोटोकॉल के अनुसार उसे सैटेलाइट रेडियो कॉलर पहनाकर नौरादेही टाइगर रिज़र्व में सुरक्षित स्थानांतरित किया गया। यह सम्पूर्ण कार्यवाही रविन्द्र मणि त्रिपाठी, भा.व.से., क्षेत्र संचालक, कान्हा टाइगर रिज़र्व के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। इस दौरान पुनीत गोयल, सुश्री अमीथा के.बी., डॉ. संदीप अग्रवाल, अजिंक्य देशमुख, डॉ. अनिरुद्ध मजूमदार, रोहन देसाई सहित विशेषज्ञ दल एवं वन अमला उपस्थित रहा।

प्रदेश में फैलाया जा रहा संरक्षण मॉडल

- राज्य में बारासिंगा की आबादी को अन्य उपयुक्त वन क्षेत्रों में स्थापित करने के उद्देश्य से अब तक—
- वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल में 7 सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व में 115
- बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व में 48
- बारासिंगा का सफल स्थानांतरण किया जा चुका है। आज किया गया यह स्थानांतरण इसी दीर्घकालीन संरक्षण रणनीति की एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

नर्मदा प्रकटोत्सव

सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने अधिकारियों को निर्देश : राकेश सिंह

हरिभूमि जबलपुर।

आगामी 25 जनवरी को मां नर्मदा प्रकटोत्सव के संदर्भ में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने गौरीघाट में एक बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिये कि नर्मदा प्रकटोत्सव के दौरान सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय के पूर्व सुनिश्चित कर ली जाएं. उन्होंने कहा कि गत वर्ष जो कठनाईयां सामने आईं थीं, उनकी पुनरावृत्ति न हो लिहाजा सभी बातों को ध्यान में रखकर व्यवस्थाएं की जाएं. बैठक में उत्सव के दौरान भंडारों के लिए समुचित जगह, आवागमन को व्यवस्थित करने, एम्बुलेंस, अस्थायी स्वास्थ्य शिविर, फायर ब्रिगेड, सीसीटीव्ही, कंट्रोल रूम, विद्युत व्यवस्था, निर्धारित मात्रा में ध्वनि, वन-वे व्यवस्था, पार्किंग, नर्मदा तट पर विगत वर्ष की भांति वॉच टावर लगाने के साथ तट पर कोई भी दुकान नहीं लगाने के संबंध में चर्चा की गई। उन्होंने निर्देशित किया कि नर्मदा तट की साफ-सफाई, महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम, मोबाईल टॉयलेट, घाटो पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, साज-सज्जा करने व अस्थायी अतिक्रमण को समझाइश देकर व्यवस्था की जाए।

निशुल्क चलेंगे ई रिक्शा

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि नर्मदा तट पर मदिरा सेवन पूर्णतः बंद की जाये। उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के लिए माता वैष्णो देवी यात्रा दल द्वारा वॉकी-टॉकी के साथ तैनात करेंगे। इसमें समरसता सेवा संगठन का भी सहयोग लिया जाये। उन्होंने कहा कि ई रिक्शा पर्याप्त मात्रा में रहे और उनकी नंबरिंग की जाये। ई रिक्शा निःशुल्क रहेंगें। उन्होंने संबंधित अधिकारी से कहा कि बिना भुगतान के ई-रिक्शा न लगायें।

मंत्री स्वयं पैदल जाएंगे मां नर्मदा तट

लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह ने बैठक में कहा कि प्रशासन द्वारा निर्धारित पार्किंग स्थल में वाहन पार्क होने के बाद वे स्वयं भी पैदल ही मां नर्मदा तट तक पैदल जाएंगे। साथ ही उन्होंने मां नर्मदा के भक्तो से भी अपील की है कि निर्धारित पार्किंग स्थल पर वाहन पार्क कर पैदल या आवश्यक होने पर प्रशासन द्वारा चयनित ई रिक्शा से ही तट पहुंचे। इस दौरान महापौर जगत बहादुर अन्नू, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, लेखराज सिंह मुन्ना भैया, भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, अभय सिंह ठाकुर सहित अन्य गणमान्य नागरिक तथा कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह, नगर निगम कमिश्नर राम प्रकाश अहिरवार सहित सभी संबंधित अधिकारी व क्षेत्रीयजन मौजूद थे।

आयोग को आपत्ति भेजी: फ्री मीटर की घोषणा के बाद वसूली क्यों

स्मार्ट मीटरों के नाम पर 622 करोड़ वसूली का प्रस्ताव

जबलपुर। बिजली कम्पनियों ने बिजली रेट बढ़ाने हेतु दायर याचिका में स्मार्ट मीटरों पर उपभोक्ताओं से 622 करोड़ वसूली करने के लिए ऐसे मापदण्डों नहीं की है । प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ने बारम्बार घोषणा की है कि परिसरों में लगाये जा रहे स्मार्ट फ्री होंगे, तो फ्री स्मार्ट मीटरों पर उपभोक्ताओं से वसूली क्यों यह आपत्ति डॉ.पी.जी. नाजपांडे ने विद्युत नियामक आयोग को भेजकर बताया कि बिजली कम्पनियों की याचिका गैरकानूनी बिंदुओं पर आधारित है। उल्लेखनीय है कि आयोग ने 25 दिसम्बर तक आपत्तियां दायर करने सार्वजनिक सूचना प्रकाशित की है ।

आपत्तिकर्ता ने बताया कि बिजली कम्पनियों (पृष्ठ 133 में) ने स्मार्ट मीटरों हेतु लीज चार्जेस बसूलने का प्रस्ताव दिया है । इसमें उन्होंने इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंट के मापदण्डों का आधार लिया है । वास्तविकता यह है कि इन मापदण्डों को स्वयं केन्द्र तथा राज्य सरकारों ने अभी तक कानूनी मान्यता प्रदान नही की है। अतः यह वसूली विधि योग्य नही है ।

बिजली कम्पनियों ने 28 नवम्बर 2025 को याचिका दायर कर स्मार्ट मीटरों पर 622 करोड़ की वसूली का प्रस्ताव दिया है । इसें अब लगभग 2 माह हो रहे है, इसके बावजूद भी"फ्री स्मार्ट मीटर " का वादा करने वाली सरकार चुप बैठी है । प्रदेश सरकार को स्वयं इस प्रस्ताव को खारिज करना चाहिए ।

बैठक में रजत भार्गव, टी.के. रायघटक, डी.के. सिहं, एड. वेदप्रकाश अधौलिया, सुभाष चंद्रा, सुशीला कनौजिया, गीता पांडे, डी.आर लखेरा, एड. जी. एस. सोनकर, पी.एस. राजपूत, संतोष श्रीवास्तव, के.सी. सोनी, अशोक नामदेव आदि उपस्थित थे।

रंगदारी वसूलने के मकसद से बीच रास्ते की मारपीट

जबलपुर। थाना गढ़ा क्षेत्र में शराब पीने के लिए रुपये मांगने और इंकार करने पर युवक के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गढ़ा थाना पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार इंद्रा बस्ती, गोरखपुर निवासी 33 वर्षीय अजय कुमार रजक रात 9.30 बजे मोटर सायकल से अपने दोस्त के घर जा रहा था, इसी दौरान रास्ते में आकाश उर्फ खस्सी और अन्ना मांडवा उससे मिले और शराब पीने के लिए एक हजार रुपये की मांग करने लगे। अजय द्वारा रुपये देने से मना करने पर दोनों आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्कों से मारपीट की जिससे उसके गाल में चोट आ गई। पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट पर आकाश उर्फ खस्सी एवं अन्ना मांडवा के खिलाफ धारा 296(बी), 119(1), 115(2), 351(3), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में ले लिया है।

36 कंप्यूटर ऑपरेटरों ने की सामूहिक इस्तीफों की पेशकश

मतदाता सूची पुनरीक्षण: काम के दबाव से तनाव में अमला

जबलपुर। मध्यप्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत चल रहे निर्वाचन कार्य का दबाव अब कर्मचारियों की सहनशक्ति से बाहर होता नजर आ रहा है। जबलपुर जिले में स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि निर्वाचन कार्य में तैनात 36 कंप्यूटर ऑपरेटरों और प्रोग्रामरों ने कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के समक्ष सामूहिक इस्तीफे की पेशकश कर दी। कर्मचारियों का कहना है कि वे पिछले तीन महीनों से लगातार सुबह 9 बजे से रात 11 बजे तक बिना किसी अवकाश के काम कर रहे हैं, जिससे उनका स्वास्थ्य और पारिवारिक जीवन दोनों बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं।

4 लाख मामलों की सुनवाई बना कारण

प्रशासनिक अमले में मचे इस असंतोष की मुख्य वजह निर्वाचन आयोग द्वारा तय की गई सख्त समय-सीमा बताई जा रही है। जिले में आगामी 10 दिनों के भीतर करीब 4 लाख मतदाताओं से जुड़ी अंतिम सुनवाई और नोटिस संबंधी प्रक्रिया पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है। पाटन विधानसभा क्षेत्र में सीमित संसाधनों के बीच इतना बड़ा कार्यभार प्रशासन और कर्मचारियों के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। इसी दबाव को देखते हुए एसडीएम और तहसीलदार संघ ने भी कलेक्टर को मांग पत्र सौंपा है। राजस्व अधिकारियों का कहना है कि आयोग के दिशा-निर्देशों में स्पष्टता का अभाव है और संसाधन भी पर्याप्त नहीं हैं। ऐसी स्थिति में इतने बड़े स्तर पर कार्य का समयबद्ध निराकरण व्यवहारिक नहीं है।

अतिरिक्त स्टाफ का आश्वासन

कर्मचारियों और अधिकारियों के बढ़ते आक्रोश को देखते हुए कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने स्वयं मोर्चा संभाला। उन्होंने अमले के साथ बैठक कर स्थिति की समीक्षा की और कर्मचारियों को समझाइश दी। कलेक्टर ने बताया कि वे खुद भी देर रात तक कार्यालय में रुककर कार्य की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने माना कि वर्तमान में काम का दबाव अत्यधिक है, लेकिन भरोसा दिलाया कि जल्द ही अतिरिक्त स्टाफ की तैनाती की जाएगी, जिससे मौजूदा कर्मचारियों पर बोझ कम हो सके। हालांकि, कंप्यूटर ऑपरेटरों ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि जल्द ही कार्यप्रणाली में सुधार और राहत नहीं मिली, तो वे सामूहिक रूप से काम बंद करने का कदम उठा सकते हैं।

कलेक्टर और निगम आयुक्त ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा

जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और नगर निगम कमिश्नर राम प्रकाश अहिरवार ने संबंधित अधिकारियों के साथ गौरीघाट और तिलवारा घाट में नर्मदा प्राकट्योत्सव की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि पर्व की गरिमा को दृष्टिगत रखते हुए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें। कलेक्टर और निगम आयुक्त ने घाटों का निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए।

सुरजताल तालाब निखर रहा, स्थानीय लोगों में उत्साह

जबलपुर। नगर निगम के प्रयासों से शहर के ऐतिहासिक और प्राकृतिक सौंदर्य में निखार आया है। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने संग्राम सागर और सूरजताल तालाब का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सूरजताल की सुधरी हुई सूरत देखकर अधिकारी और स्थानीय नागरिक दोनों उत्साहित नजर आए। तालाब की जलकुंभी की सफाई और आसपास हरियाली बढ़ाने के प्रयासों से यह क्षेत्र अब स्वच्छ और आकर्षक बन रहा है। निगमायुक्त ने जल स्रोतों और पेड़ों के संरक्षण पर जोर दिया और कहा कि यह हम सभी का सामूहिक कर्तव्य है। स्थानीय लोग सफाई अभियान में सक्रिय भागीदारी कर रहे हैं और भविष्य में तालाब की साफ-सफाई बनाए रखने का संकल्प लिया है। कायाकल्प के बाद न केवल शहरवासियों को स्वच्छ वातावरण मिलेगा, बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

जबलपुर में पंचगव्य और देसी गोवंश नसल सुधार कार्यशाला सम्पन्न

जबलपुर। विहिप गौरक्षा विभाग के देसी गोवंश रक्षण एवं संवर्धन न्यास और जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के संयुक्त आयोजन में दो दिवसीय कार्यशाला आज अपने दूसरे दिन प्रातः 10 बजे गौकथा के साथ सम्पन्न हुई। कार्यशाला का उद्घाटन डॉ. ब्रजेश दीक्षित ने किया, जिन्होंने गौमाता के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला। कृषि महाविद्यालय के डॉ. मोनि थॉमस ने गोवंश आधारित उद्योग और कृषि उत्पादों के संवर्धन पर जोर देते हुए कहा कि गाय से आय तभी सुनिश्चित होगी जब हर घर और खेत में देशी गोवंश की देखभाल की जाएगी। कार्यक्रम में श्री सारस्वत ने बौद्धिक संपदा के महत्व पर चर्चा की, जबकि उज्जैन के आयुर्वेदिक विशेषज्ञ डॉ. प्रज्ञान त्रिपाठी ने पंचगव्य से निर्मित औषधियों के कैंसर उपचार में योगदान और प्रतिरक्षा प्रणाली पर प्रभाव पर विस्तार से जानकारी दी। महाकौशल प्रांत के कई जिलों के गौशाला संचालक और जैविक किसान अपने अनुभव साझा करने हेतु उपस्थित थे। राजेश मिनोचा ने बायों कल्चर उत्पादों के समय पर उपयोग से कृषि उत्पादन और गुणवत्ता में सुधार पर चर्चा की। राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरु प्रसाद सिंह ने देसी गोवंश संवर्धन और नसल सुधार के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि हर घर और खेत में देशी गाय होना आवश्यक है। केंद्रीय मंत्री सुनील मानसिंहा ने सभी विषयों पर जनजागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यशाला ने पंचगव्य औषधि, देसी गोवंश संवर्धन और कृषि विकास के क्षेत्र में न केवल जानकारी दी, बल्कि किसानों और ग्रामीणों में जागरूकता और सहभागिता भी बढ़ाई।

बेलगाम बस की टक्कर से एक की मौत 7 घायल

दुर्घटना : माढोताल थाना क्षेत्र में रफ्तार का कहर

हरिभूमि जबलपुर।

माढोताल थाना अंतर्गत चंडीमाता मंदिर पड़वार रोड के सामने एक बेलगाम बस ने आटो को टक्कर मार दी, इस हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई. जबकी आटो में सवार सात लोग घायल हो गये. घायलों को इलाज के लिये एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया. माढोताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार की दोपहर 12.45 बजे सूरतलाई से सवारी लेकर आ रहा आटो चालक दमोह नाका निवासी अजय अहिरवार के आटो क्रमांक एमपी 20 आर 7107 में बस क्रमांक एमपी 15 जेडएफ 3254 ने पहले एक मोटर सायकल को टक्कर मारी फिर आटो को टक्कर मार दी, जिससे आटो पलट गया. पुलिस के अनुसार मोटर सायकल चालक अनिकेत चडार की मौके पर ही मौत हो गई. जबकी आटो चालक अजय अहिरवार सहित आटो में अन्य यात्री घायल हो गये।

हादसे में ऑटो चालक अजय अहिरवार को दाहिने कंधे और पैर में चोटें आईं। ऑटो में सवार सपना कोल को चेहरे, माथे और कमर में, पूजा गोंड को सिर के पीछे और बाएं हाथ व आंख के पास, कमलेश कोल को दाहिने हाथ, बाएं कंधे और बाएं पैर की एड़ी में, दो वर्षीय सोनू कोल को बाएं गाल और हाथ की कोहनी में तथा पांच वर्षीय श्रीकांत सिंह को सिर और दाहिनी आंख के पास चोटें आईं। घटना के बाद सभी घायलों को हेल्थ सिटी अस्पताल ले जाया गया, जहां मोटरसाइकिल चालक अनिकेत चडार (22) निवासी गदर पिपरिया को डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बस चालक के खिलाफ धारा 106(1), 281, 125(बी) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

तस्कर फरार: 60 लीटर कच्ची शराब जब्त

जबलपुर। थाना बरगी पुलिस की टीम ने मोटरसाइकिल से परिवहन कर ले जाई जा रही 60 लीटर कच्ची शराब जब्त की है। कार्रवाई के दौरान आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। थाना प्रभारी बरगी परिवीक्षाधीन डीएसपी हेमंत कुमार ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर मानेगांव श्रमोदय विद्यालय के पास सर्विस रोड पर दबिश दी। पुलिस को देखकर मोटर सायकल सवार शराब तस्कर फरार हो गये. मौके पर खड़ी मोटरसाइकिल की तलाशी लेने पर उसमें बंधे चार प्लास्टिक डिब्बों में कुल 60 लीटर कच्ची शराब भरी मिली। पुलिस ने शराब सहित मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया है तथा फरार आरोपी के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की है। आरोपी की तलाश जारी है।

ब्रह्मा बाबा का 57वां स्मृति दिवस 'विश्व शांति दिवस' के रूप में श्रद्धापूर्वक मनाया

जबलपुर। प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, शिव स्मृति भवन, नेपियर टाउन सेवा केंद्र पर 18 जनवरी को संस्था के संस्थापक ब्रह्मा बाबा (दादा लेखराज) का 57वां पुण्य स्मृति दिवस 'विश्व शांति दिवस' के रूप में गरिमामय ढंग से मनाया गया। इस अवसर पर शहर के श्रद्धालुओं ने बाबा के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके बताए शांति और प्रेम के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

नारी शक्ति को केंद्र में रखा : राजयोगिनी भावना दीदी

सभा को संबोधित करते हुए मुख्य क्षेत्रीय प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्मा कुमारी भावना दीदी ने कहा कि दशकों पहले, जब समाज में स्त्रियों की स्थिति और आध्यात्मिक जागरूकता का अभाव था, तब ब्रह्मा बाबा ने 'नारी शक्ति' को अध्यात्म के केंद्र में लाकर वैश्विक परिवर्तन की नींव रखी। उन्होंने बताया कि बाबा एक सफल हीरा व्यापारी थे, लेकिन 60 वर्ष की आयु में ईश्वरीय साक्षात्कारों ने उनके जीवन को पूर्णतः मानवता की सेवा की ओर मोड़ दिया। भावना दीदी ने बाबा के क्रांतिकारी कदमों की चर्चा करते हुए कहा, "1930 के दशक में ब्रह्मा बाबा ने संस्थान की बागडोर माताओं और बहनों को सौंपकर समाज की रूढ़िवादी विचारधारा को चुनौती दी। उन्होंने नारी को 'ज्ञान कलश' देकर समाज को नई दिशा दिखाने का माध्यम बनाया।"

शिक्षाओं और चरित्र का प्रभाव

कार्यक्रम के दौरान बी.के. वर्षा ने ब्रह्मा बाबा की अनमोल शिक्षाओं को साझा किया। उन्होंने कहा कि बाबा का स्पष्ट संदेश था "खुश रहना और खुशियां बांटना ही जीवन का असली धन है।" बाबा सिखाते थे कि हमें वाणी से अधिक अपने कर्मों और ऊंचे चरित्र द्वारा दूसरों को प्रभावित करना चाहिए।

स्व-परिवर्तन से विश्व-परिवर्तन का संकल्प

कार्यक्रम में वक्ताओं ने जोर दिया कि ब्रह्मा बाबा का मानना था कि 'स्व-परिवर्तन' से ही 'विश्व-परिवर्तन' संभव है। 18 जनवरी 1969 को देह त्यागने से पूर्व उन्होंने एक ऐसा आध्यात्मिक मार्ग तैयार किया, जो आज 140 से अधिक देशों में लाखों लोगों को जीवन जीने की कला सिखा रहा है। इस अवसर पर सामूहिक राजयोग मेडिटेशन (ध्यान) के माध्यम से विश्व शांति के लिए शुद्ध वाइब्रेशन फैलाए गए।

नर्मदा नगरी में माघ मास कल्पवास के अवसर पर हरि नाम संकीर्तन संपन्न

जबलपुर। अखिल भारतीय मां नर्मदा चैतन्य महाप्रभु लोक कल्याण समिति जबलपुर द्वारा प्रयागराज की तर्ज पर माघ मास कल्पवास का 11वाँ वर्ष योगाचार्य डॉक्टर शिवशंकर पटेल की प्रेरणा से नर्मदा नगरी में जहां सूरज की किरणें भी ब्रह्म मुहूर्त की अमृत बेला में नर्मदे हर का जाप करती हैं, ऐसे पवित्र स्थल पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्याम मनोहर पटेल ने बताया कि सीताराम आश्रम भेड़ाघाट में पौष पूर्णिमा से निरंतर माघ पूर्णिमा तक कल्पवासियों का जमघट बना हुआ है, सरस्वती घाट भेड़ाघाट मां नर्मदा मैया की शरण में कल्पवासी, परिक्रमावासी पंडित मनमोहन दुबे के मुखारबिंद से अपरान्ह 3:00 से 5:00 बजे तक श्रीमद् भागवत कथा श्रवण करते हैं, प्रातः सुबह 8:00 बजे बालभोग मां नर्मदा मैया का पूजन अर्चन सीताराम संकीर्तन नर्मदा महापुराण दीपदान महंत बाल योगी कृष्ण दास महाराज एवं साध्वी कल्याणी दासी माता के सानिध्य में किया जा रहा है। सनातन प्रेमियों को सनातन संस्कृति का बोध कराया जा रहा है, जिससे समस्त हिंदू सनातन भाई-बहनों को अपने धर्मशास्त्र के बारे में संक्षिप्त से संक्षिप्त ज्ञान प्राप्त कराया जा रहा है। आज चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल द्वारा सीताराम आश्रम भेड़ाघाट में हनुमान जी महाराज की सूक्ष्म उपस्थिति में श्रद्धालुओं ने भाव विभोर होकर भगवान कृष्ण का ध्यान करते हुए अश्रुपात के साथ नृत्य किया। संकीर्तन के पश्चात जनता जनार्दन के लिए नर्मदा मैया की पूजन अर्चन आरती के बाद समिति द्वारा भोजन प्रसादी भंडारा की व्यवस्था की गई।

ब्राह्मणों ने सनातन संस्कृति के संरक्षण में निभाई अग्रणी भूमिका: डॉ. ब्रजेश दीक्षित

जबलपुर। नववर्ष के अवसर पर सनाढ्य कल्याण परिषद द्वारा नीम करौली वाले दद्दा धाम में आयोजित भव्य सम्मान एवं अभिनंदन समारोह में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले वरिष्ठजन और दांपत्य जोड़ों का सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. ब्रजेश दीक्षित ने कहा कि ब्राह्मणों ने सनातन संस्कृति की रक्षा और जीवन के मूल सिद्धांतों की स्थापना में महती भूमिका निभाई है। विशिष्ट अतिथि डॉ. राजेश स्थापक ने इसे जीवन पद्धति बताते हुए कहा कि सत्य, धर्म और अहिंसा के मार्ग पर चलना ही वास्तविक ब्राह्मण होना है। लघु काशी पचमटा धाम के महंत पं. कामता शरण महाराज ने सांस्कृतिक प्रतीकों जैसे तिलक, जनेऊ और चोटी को अपनाने का आह्वान किया। परिषद संरक्षक पं. के.डी. पचौरी ने रामचरितमानस के उद्धरणों के माध्यम से ब्राह्मणों के त्याग, तप और ज्ञान परंपरा को रेखांकित किया। इस अवसर पर पं. एच.पी. पाराशर को विशिष्ट व्यक्तित्व अलंकरण, तथा डॉ. केशव प्रसाद नगाइच, पं. शोभाराम गोटिया, विनोद पचौरी, सत्यप्रकाश कुरचनियां और रमाकांत पाराशर को दांपत्य अलंकरण से सम्मानित किया गया। साथ ही सनाढ्य संगम पत्रिका का 151वां अंक भी विमोचित हुआ। कार्यक्रम में परिषद के पदाधिकारी, आजीवन सदस्य, महिला एवं सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के सदस्य और समाज के अनेक प्रतिष्ठित नागरिक उपस्थित रहे। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और सामूहिक सहभोज के साथ आयोजन संपन्न हुआ।

गांवों का विकास ही भारत के विकास का आधार

मझौली। गांवों के सर्वांगीण विकास से ही भारत के विकास की परिकल्पना साकार होती है। इसी उद्देश्य को लेकर मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, जबलपुर द्वारा "ग्रामोदय से अभ्युदय – मध्य प्रदेश" विषय पर विकासखंड स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन शासकीय उच्चतर कन्या माध्यमिक शाला, मझौली में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य वक्ता श्री नरेंद्र त्रिपाठी, योगाचार्य योगेंद्र श्रीवास्तव, जिला समन्वयक घनश्याम रायपुरिया, तहसील अध्यक्ष अमित खरे, काशी ग्राम विकास समिति अध्यक्ष सनिल यादव एवं परामर्शदाता मनीष अवस्थी द्वारा स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। मंच संचालन आनंद साहू ने किया। वक्ताओं ने ग्रामीण विकास की चुनौतियों, समाधान एवं योग व स्वास्थ्य के माध्यम से अभ्युदय मध्य प्रदेश की अवधारणा पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में रंगोली, स्वागत गीत, देशभक्ति नृत्य एवं एरोबिक योग की आकर्षक प्रस्तुतियां दी गईं। प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, नवांकुर व प्रस्फुटन समितियों के सदस्य तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में काशी ग्राम विकास समिति अध्यक्ष सनिल यादव ने आभार व्यक्त किया।

एस एस ए कालेज में स्टार्टअप दिवस पर आयोजन

सिहोरा। शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्टार्टअप दिवस की अवसर पर स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा स्टार्टअप दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं एनजीओ के विषय में जानकारी दी गई जो विद्यार्थियों को स्टार्टअप प्रारंभ करने में मदद करते हैं । उद्यमिता पर आधारित हिंदी फिल्म गुरु का प्रदर्शन किया गया इसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने फिल्म का आनंद लिया । इसी प्रकार एक अन्य फिल्म हॉलीवुड फिल्म थे परसू आफ हैप्पीनेस भी विद्यार्थियों को दिखाई गई जिससे वे उद्यमिता के महत्व को समझ सके। समस्त कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर एम के श्रीवास्तव के निर्देशन में आयोजित किए गए। इस अवसर पर जनभागीदारी अध्यक्ष राजा मोर ने विद्यार्थियों को अपने संदेश में उद्यमिता के बारे में अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि वे स्टार्टअप अपनाकर अधिक से अधिक रोजगार देने वाले बने।

अग्रवाल प्रीमियर लीग (APL) का भव्य उद्घाटन, खेल और उत्साह का माहौल

जबलपुर। जबलपुर अग्रवाल सभा एवं Agrawal Chamber of Commerce (ACCI) के सहयोग से आयोजित Agrawal Premier League (APL) का उद्घाटन समारोह आज बड़े उत्साह, खेल भावना और युवा जोश के साथ संपन्न हुआ। यह टूर्नामेंट केवल क्रिकेट तक सीमित नहीं, बल्कि युवाओं को एकजुट करने, नेतृत्व और अनुशासन जैसे मूल्यों को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण प्रयास है। उद्घाटन समारोह में CA अखिलेश जैन, विधायक नीरज सिंह, राजेश "गुड्डू" अग्रवाल, कमलेश अग्रवाल, शरद अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल बब्बा, घनश्याम दास अग्रवाल और प्रेम अग्रवाल "पिंकी" सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और APL की पहल की सराहना की। उद्घाटन के बाद टूर्नामेंट के पहले मुकाबले खेले गए। कंसल नाइट राइडर्स और गोयल वॉरियर्स ने जीत दर्ज की। सृजन अग्रवाल और शाश्वत अग्रवाल को मैन ऑफ़ द मैच का पुरस्कार मिला। खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन, टीमवर्क और प्रतिस्पर्धात्मक उत्साह दिखाया, जबकि दर्शकों की मौजूदगी ने माहौल को और जीवंत बना दिया। ACCI के कृष्ण अग्रवाल और मुरली अग्रवाल ने बताया कि APL का उद्देश्य युवाओं को सकारात्मक मंच देना, नेटवर्किंग को मजबूत करना और समाज में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा एवं नेतृत्व क्षमता को विकसित करना है। आगामी दिनों में और भी रोमांचक मुकाबले और सामाजिक गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। उद्घाटन दिवस का समापन खेल भावना, उत्साह और सौहार्द के साथ हुआ, जिसमें सभी टीमों को आगामी मैचों के लिए शुभकामनाएँ दी गईं।

गरीबी से संघर्ष कर देशसेवा तक पहुँचे मयंक उपाध्याय

सिहोरा। सिहोरा तहसील के ग्राम टिकरिया अगरिया निवासी मयंक उपाध्याय का सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में आरक्षक पद पर चयन होने से गांव एवं क्षेत्र में हर्ष और गौरव का वातावरण है। एक साधारण मजदूर परिवार में जन्मे मयंक ने सीमित संसाधनों के बावजूद कड़ी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के बल पर यह महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। अपनी उपलब्धि का श्रेय मयंक ने माता-पिता, गुरुजनों, बड़े पापा एवं भाइयों के आशीर्वाद को दिया है। साथ ही उन्होंने एसपी पाठशाला तथा कोच उपेंद्र कुमार गौतम के मार्गदर्शन के लिए विशेष आभार व्यक्त किया।

भेड़ाघाट मार्ग बदहाल, सरस्वती घाट मोड़ बना हादसों का कारण

भेड़ाघाट। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल भेड़ाघाट जाने वाला मुख्य मार्ग बदहाली का शिकार है। भेड़ाघाट चौराहा से धुआंधार जलप्रपात तक सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे बन गए हैं। आसपास की बस्तियों का पानी बहकर सड़क पर जमा हो रहा है, जिससे आए दिन वाहन चालक दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। लोक निर्माण विभाग द्वारा गड्ढों में डाले गए बोल्डर दोपहिया वाहन चालकों के लिए खतरा साबित हो रहे हैं। करीब छह वर्ष पूर्व सड़क का सुधार कार्य हुआ था, लेकिन उसके बाद रखरखाव नहीं होने से सड़क की हालत लगातार खराब होती चली गई। खस्ता हाल मार्ग के कारण न केवल पर्यटकों बल्कि स्थानीय नागरिकों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भेड़ाघाट व धुआंधार देखने रोजाना देश-विदेश से पर्यटक आते हैं, पर खराब सड़क से पर्यटन की छवि भी धूमिल हो रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग-12 से पंचवटी मार्ग तक सड़क पर उड़ती धूल से आसपास रहने वाले लोगों में श्वसन रोगों का खतरा बढ़ गया है। दुकानदारों का कहना है कि धूल के कारण काम करना मुश्किल हो गया है, बावजूद इसके विभाग द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। सड़क निर्माण का भूमि पूजन और ठेका होने के बाद भी कार्य शुरू न होना विभागीय लापरवाही को दर्शाता है। इधर, भेड़ाघाट चौराहा–पंचवटी मार्ग पर शराब दुकानों के कारण शराबियों का जमावड़ा भी आम हो गया है, जिससे पर्यटकों और नर्मदा परिक्रमा वासियों की भावनाएं आहत हो रही हैं। नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए स्थानीय लोगों ने आबकारी विभाग पर भी सवाल उठाए हैं। सबसे चिंताजनक स्थिति सरस्वती घाट मोड़ पर है, जहां सड़क किनारे गहरा गड्ढा खोदा गया है, जो किसी बड़ी दुर्घटना को आमंत्रण दे रहा है। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि किसी बड़े हादसे से पहले लोक निर्माण विभाग इस ओर तत्काल ध्यान दे और सड़क की मरम्मत कराए।

सिहोरा खितौला में होंगे आधा दर्जन हिन्दू सम्मेलन

पहला सम्मेलन आज झंडा बाजार में

सिहोरा। सनातन धर्म की गरिमा और सांस्कृतिक विरासत को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सिहोरा खितौला में करीब आधा दर्जन से अधिक हिन्दू सम्मेलन विभिन्न बस्तियों में आयोजित किए जायेंगे। जिसमें हिन्दू धर्म की गौरवशाली विरासत,एकता और भविष्य की दिशा पर विचार किया जायेगा। इसमें सभी हिन्दू बंधुओं और भगिनियों से बड़ी संख्या में पहुंचने की अपील की गई है। पहला हिन्दू सम्मेलन आज 17 जनवरी को हरदौल बस्ती का जैन मंदिर झंडा बाजार में आयोजित किया गया है । इसके अलावा नीलकंठ बस्ती का जगमोहन पार्क,नरसिंह बस्ती का एस एस ए कालेज ग्राउंड में 18 जनवरी,केशव बस्ती का बी हाई स्कुल ग्रांउड 20 जनवरी,ज्वालामुखी बस्ती का 22 जनवरी नवीन कन्या शाला ग्रांउड में, केशव बस्ती बी हाई स्कुल ग्रांउड 20 जनवरी को नीलकंठ बस्ती उक्त सभी सम्मेलन दोपहर 2 बजे से आयोजित होंगे। इसी तरह महाकाली बस्ती का हिन्दू सम्मेलन 31 जनवरी को कंकाली मंदिर में दोपहर 12 बजे से आयोजित होगा।

बच्चों को सिखाये प्रबंधन के गुण

सिहोरा। शासकीय यशोदा बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खितौला बाजार, के प्राथमिक विभाग के छात्र-छात्राओं के लिए एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य जे एल खांडे और शिक्षकों की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर, सेवानिवृत्त शिक्षक जय प्रकाश तिवारी ने बच्चों को सामान के रखरखाव और प्रबंधन के महत्व पर विस्तार से चर्चा की और उन्हें इस संबंध में बहुमूल्य बातें समझाईं। तिवारी जी ने बच्चों को यह सिखाया कि अपने शैक्षणिक सामग्री और व्यक्तिगत सामान को कैसे व्यवस्थित रखा जाए ताकि वे लंबे समय तक सुरक्षित रहें और पढ़ाई के दौरान आसानी से मिल सकें। उन्होंने व्यवस्थापन कौशल के बुनियादी सिद्धांतों को सरल और रोचक तरीके से समझाया।

सेंट्रल रीजन जबलपुर का उत्कृष्ट प्रदर्शन

47वीं अंतरक्षेत्रीय लॉन टेनिस प्रतियोगिता का भव्य समापन

जबलपुर। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, जबलपुर के तत्वावधान में आयोजित 47वीं अंतरक्षेत्रीय लॉन टेनिस प्रतियोगिता (वर्ष 2025-26) का भव्य समापन 18 जनवरी को ज्योति क्लब, जबलपुर में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में सेंट्रल रीजन जबलपुर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सिंगल, डबल एवं टीम इवेंट्स में विजेता बनकर अपना वर्चस्व स्थापित किया। टीम इवेंट्स में सेंट्रल रीजन जबलपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि द्वितीय स्थान सिंगाजी क्षेत्र खंडवा एवं तृतीय स्थान जबलपुर रीजन को प्राप्त हुआ। सिंगल्स मुकाबले में मो. शकील परवेज विजेता तथा प्रदीप चौधरी उपविजेता रहे। डबल्स मुकाबले में प्रदीप चौधरी एवं मो. शकील परवेज की जोड़ी विजेता रही। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रदीप चौधरी को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट घोषित किया गया।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक (प्रवर्तन) एस.के. निगम उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि मुख्य अभियंता (जबलपुर क्षेत्र) एस.के. गिरिया रहे। कार्यक्रम में आयोजक अधीक्षण अभियंता (शहर) संजय अरोरा, मुख्य वित्तीय अधिकारी विक्रम भास्कर, मैनेजर आईटी आशीष पन्द्रे सहित अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि एस.के. निगम ने विजेता एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों को सम्मानित कर खेल भावना, अनुशासन एवं टीम वर्क की सराहना की। प्रतियोगिता में कंपनी के विभिन्न क्षेत्रों की कुल 06 टीमों ने सहभागिता की। लॉन टेनिस प्रतियोगिता के प्रभारी एवं ऑब्जर्वर महेंद्र सोनी ने ऑल इंडिया टूर्नामेंट के लिए खिलाड़ियों का चयन कर घोषणा की जिसमें सेन्ट्रल रीजन जबलपुर से खिलाड़ी मो.शकील परवेज, प्रदीप कुमार चौधरी, हर्षवर्धन कोट, विनीत त्रिपाठी, सिंगाजी क्षेत्र खंडवा से तन्सुख सोलंखी, सुमित खाडसे, बिरसिंहपुर क्षेत्र से राहुल श्रीवास्तव, जबलपुर क्षेत्र से अशोक चौहान एवं भोपाल क्षेत्र से कोटिल्य बजाज शामिल हैं, कार्यक्रम समन्वयक अनिल अलंग ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

खितौला खम्परिया में कृषि रथ कार्यक्रम का आयोजन

सिहोरा। ग्राम पंचायत खितौला खम्परिया में कृषि रथ कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य किसानों को नवीनतम कृषि तकनीकों शासकीय योजनाओं एवं विभागीय सुविधाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान करना रहा। कार्यक्रम में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी जे.एस. राठौर, जनपद सदस्य सुरेश पटेल,कृषि विस्तार अधिकारी सुश्री साक्षी तिवारी,सुमित पाटकर एवं सुश्री अदिति सिंह, कृषक मित्र पशुपालन विभाग के अधिकारीगण तथा सरपंच दिलीप विश्वकर्मा आदि उपस्थित थे। आयोजन में अधिकारियों द्वारा कृषि,पशुपालन,फसल उत्पादन,उन्नत बीज, संतुलित उर्वरक उपयोग, प्राकृतिक खेती तथा शासन की विभिन्न कृषक-हितैषी योजनाओं के संबंध में किसानों को विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। आयोजन में किसान भाइयों एवं बहनों की उत्साहपूर्ण एवं सक्रिय सहभागिता देखने को मिली। किसानों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर अपनी समस्याएं अनुभव एवं जिज्ञासाएं साझा कीं जिनका समाधान संबंधित अधिकारियों द्वारा तत्परता से किया गया।कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को वैज्ञानिक, टिकाऊ एवं लाभकारी कृषि पद्धतियां अपनाने हेतु प्रेरित किया गया।

विशाल कलश शोभायात्रा एवं भगवान जगन्नाथ रथयात्रा

मझौली। भगवान विष्णु वाराह की कृपा से मझौली नगर में आयोजित श्री श्री मां अम्बा शतचंडी महायज्ञ के अंतर्गत सोमवार 19 जनवरी को दोपहर 2 बजे विशाल कलश शोभायात्रा निकाली जाएगी। इस शोभायात्रा में भगवान जगन्नाथ जी के विग्रहों की भव्य रथयात्रा भी शामिल रहेगी। महायज्ञ उपरांत भगवान जगन्नाथ जी के विग्रह शनि आश्रम में स्थापित किए जाएंगे।

कलश शोभायात्रा यज्ञ स्थल बाजार प्लाट मझौली से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए भगवान विष्णु वाराह मंदिर पहुंचकर पुनः यज्ञ स्थल पर संपन्न होगी। श्री श्री मां अम्बा शतचंडी महायज्ञ का आयोजन 19 जनवरी से 27 जनवरी 2026 तक किया जा रहा है। आयोजन के अंतर्गत प्रतिदिन दोपहर 3 बजे कथा वाचन तथा शाम 7 बजे से रामलीला का मंचन होगा। 23 जनवरी को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, 24 जनवरी को गोवर्धन पूजन एवं छप्पन भोग, 25 जनवरी को रुक्मिणी विवाह, 26 जनवरी को सुदामा चरित्र तथा 27 जनवरी को हवन पूर्णाहुति एवं भंडारे का आयोजन किया जाएगा।महायज्ञ के यज्ञाचार्य एवं कथा वाचक श्री दत्त जी महाराज हैं। आयोजकों ने नगर व क्षेत्र के श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में कलश शोभायात्रा एवं धार्मिक आयोजनों में सहभागी होकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

ट्रैक्टरों से ढुलाई, रेंजर और वनअमले की भूमिका पर गंभीर सवाल

कट रहा जंगल बिक रहा सिस्टम

तामिया रेंज के कुआंबादला सर्कल का मामला

तामिया क्षेत्र के कुआंबादला सर्किल में वन संपदा की अवैध तस्करी इन दिनों सुर्खियों में है। दिनदहाड़े ट्रैक्टर क्षेत्र से निकलते है। रास्ते तय है चालक बेखौफ है। जिसमें सबसे बड़ा सवाल खड़ा होता है कि बिना स्थानीय वनअमले की जानकारी या संरक्षण के यह कैसे संभव है। दरअसल इस रेंज में रेंजर और कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत के आरोप लंबे समय से लगाए जा रहे है। अधिकारी कहते है कि आरोप निराधार है पर सवाल फिर वही जस का तस है। अगर आरोप निराधार है तो ट्रैक्टरों की नियमित आवाजाही पर रोक क्यों नहीं। जब्ती और पंचनामा की कार्यवाही नगण्य क्यों। तस्करी के हॉट स्पॉट पर स्थायी चैकिंग क्यों नहीं।

यह लूट सिर्फ जंगल की नहीं बल्कि कानून, जिम्मेदारी और सरकारी भरोसे की है

तामिया वनपरिक्षेत्र का कुआंबादला सर्कल अब जंगल नहीं बल्कि वनमाफियाओं की खुली मंडी बनता जा रहा है। कुर्सीढाना, फांसीढाना, बांगई, घटलिंगा की कीमती वनसंपदा की खुलेआम तस्करी हो रही है और हैरानी की बात है कि वनविभाग आंखे मूंदे बैठा है। स्थानीय ग्रामीणों का दावा है कि दिन हो या रात ट्रैक्टर जंगल से भर भरकर निकल रहे है और रेंजर की चुप्पी से वनमाफिया बेखौफ है। यदि विभाग ईमानदार है तो बताए अब तक कितनी एफआईआर दर्ज हुई। कितने ट्रैक्टर जब्त हुए और किस रेंजर ने कितनी बार छापामार कार्यवाही की। अगर जवाब शून्य है तो यह सबसे बड़ा सबूत है कि **जंगल कट रहा है, सिस्टम बिक रहा है।** यह लूट केवल पेड़ों की नहीं बल्कि कानून जिम्मेदारी और सरकारी भरोसे की है। तामिया जैसे संवेदनशील जैसे वनक्षेत्र से इस तरह की बेलगाम वनतस्करी आने वाली पीढ़ियों के भविष्य पर सीधा हमला है। संरक्षण की शपथ लेने वाले अधिकारियों की नीयत में खोट है। अगर इस खबर के बाद भी बड़ी कार्यवाही नहीं हुई तो यह साफ मान लिया जाएगा कि वनमाफिया नहीं बल्कि सिस्टम में रहकर संरक्षण प्राप्त अपराधी जंगल चला रहे है। अगर वक्त रहते कठोर निर्णय नहीं लिए गए तो इतिहास में यह समय तामिया के जंगल में लूटकांड के नाम से दर्ज हो जाएगा।

हरिभूमि न्यूज ⏭ तामिया (बाबा ठाकुर)

तामिया रेंज की कुआं बादला सर्कल के कुर्सी ढाना,फांसी ढाना, बागई भाडी घटलिगा के जंगलों में कई दिनों से रेत का अवैध उत्खनन वन कर्मियों की मिली भगत से लगातार हो रहा है जिसमें दिखावे के लिए नापसंद लोगों के ट्रैक्टर भी जप्त कर कुआं बादला वन चौकी में खड़े कर वन अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। लेकिन इसकी हकीकत कुछ और है। संरक्षण में चल रहे ट्रैक्टर जंगलों के अंदरूनी हिस्सों में वेखौफ वन संपदा को नष्ट करते हुए नदियों से रेत का अवैध उत्खनन करते चले आ रहे हैं। इसके साक्ष्य धाड नदी, बांगई जंगल की नदियां में मुख्य सड़क से प्रवेश कर रहे ट्रैक्टरों के निशान साफ देखे जा सकते हैं। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण घट लिंगा मार्ग पर मुनारा क्रमांक 771 के बाजू से कई ट्रैक्टर गोंद्रा नदी में प्रवेश करते हैं जिनके निशान अब सड़क का रूप धारण कर चुके हैं। बावजूद इसके कार्रवाई नहीं किए जाने से रेंजर एवं उपवनमंडल अधिकारी की कार्य प्रणाली पर अब लोग सवाल उठाने लगे हैं। मुख्य मार्ग किनारे के निशान आखिर क्यों नहीं दिखते? ग्रामीण बतलाते हैं कि रेत चोरी की शिकायत करने पर नाकेदार एवं रेत चोर ग्रामीणों को धमकाने से भी पीछे नहीं रहते। चोरों के बुलंद हौसलों की बानगी पिछले दिनों भांडी के नाकेदार के अलावा वन कर्मियों को रेत के ट्रक से कुचलने का प्रयास किया गया था, लेकिन अधिकारियों द्वारा साथ नहीं दिए जाने की दशा में उन्होंने देलाखारी पुलिस चौकी में शिकायत दर्ज करवाने के बजाय लिखित आवेदन दिया, वह भी क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस से ऐसा प्रतीत होता है कि वन अधिकारी भी रेत चोरों को अघोषित रूप से मौन स्वीकृति प्रदान किए हुए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती रात रेंजर के निर्देश पर नाकेदार डिप्टी रेंजर का एक दल टेल्को वन प्रहरी वाहन से बीती रात जंगल गस्ती में इस उद्देश्य से निकला की क्षेत्र में वन अपराध करने वाले कहीं सक्रिय तो नहीं है और रेत का अवैध उत्खनन जंगल की नदियों से तो नहीं किया जा रहा है और वन प्राणियों के मूवमेंट के मद्देनजर शिकारी तो सक्रिय नहीं है, लेकिन गश्ती दल की जंगल में मौजूदगी के बाद भी फांसीढाना जंगल से कई ट्रैक्टर रेत लेकर दिन के उजाले तक निकले।

इन निकलने वाले वाहनों के कारण गश्ती दल की कार्य प्रणाली पर भी जंगल में हुई बीती रात गश्ती के बाद रेत के वाहनों का निकालना सवाल तो खड़े करता है। यदि वन विभाग को रेत चोरी पकड़ने जहां पर जंगल में ट्रैक्टर वालों ने रास्ता बना डाला है, वहां पहुंचेंगे तो निश्चित ही रेत के वाहन पकड़ में आएंगे। लेकिन जब मिलीभगत एवं इच्छा शक्ति का अभाव हो तो कार्रवाई का होना बेमानी ही साबित होगा, जैसा शनिवार की रात हुआ।

कब होगी कार्यवाही?

- अब बड़ा सवाल यह है कि उच्चाधिकारी कब संज्ञान लेंगे।
- स्वतंत्र जांच टीम कब गठित होगी।
-दोषियों पर निलंबन एवं एफआईआर कब दर्ज होगी।
- जंगल का संतुलन और जैव विविधता का खतरे में डालने वाले - -
-जिम्मेदारों पर जवाबदेही तय करने में इतनी देर क्यों
- क्या वनमाफिया कानून से ऊपर है जो अधिकारी मौन स्वीकृति दे रहे

22 को होगा विराट हिंदू सम्मेलन, सिंगोड़ी के कबीरवाड़ा स्थल पर होगा हिंदुत्व का शंखनाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिंगोड़ी

22 जनवरी को सिंगोड़ी स्थित कबीरवाड़ा स्थल पर विराट हिंदू सम्मेलन का होगा समागमकार्यक्रम संयोजक राजेंद्र कंच ने बताया कि आगामी 22 जनवरी को सिंगोड़ी में होने वाले विराट हिंदू सम्मेलन में ओजस्वी वक्ताओं में महामंडलेश्वर ध्रुव नारायण जी सहित श्री सीताराम जी रामायणी बाल विदुषी साक्षी देवी एवं ब्रज रागिनी देवी का क्रांतिकारी उद्बोधन प्राप्त होगा।

कार्यक्रम को लेकर समिति द्वारा व्यापक तैयारी कर ली गई है जिसमें मैदान को सुंदर साजसज्जा कर सजाया जा रहा है वही गांव में केसरिया झंडा एवं तोरण द्वार लगाकर विशेष सजावट की गई है महानगर जबलपुर से आ रहे अखिलेश्वरानंद जी (ध्रुव नारायण जी) महामंडलेश्वर होने के साथ पूर्व गौ संवर्धन बोर्ड के अध्यक्ष रह चुके हैं आपका उद्बोधन ओजस्वी एवं क्रांतिकारी रूप में जाना जाता हैवही साध्वी साक्षी देवी एवं ब्रज रागिनी देवी अपने सुंदर उद्बोधन द्वारा जन समाज को संबोधित करेंगी हजारों की संख्या में हिंदू सनातनि की भीड़ संत महात्माओं को सुनने के लिए उमड़ेगीजिसमें माता बहनों के बैठने की उचित व्यवस्था समिति के द्वारा की गई है।

कार्यक्रम की दृष्टिगत हिंदू सम्मेलन उत्सव समिति के तत्वाधान में प्रत्येक चौक एवं मंदिरों में हनुमान चालीसा पाठ एवं भारत माता की आरती का सार्वजनिक रूप से आयोजन रखा गया है। 22 जनवरी को होने वाले कार्यक्रम में विशेष प्रदर्शनी के साथ विशाल भंडारा आम जनमानस एवं क्षेत्रीय लोगों के लिए समिति द्वारा रखा गया है निमंत्रण हेतु प्रत्येक घर पर समिति सदस्यों द्वारा अक्षत देकर उन्हें हिंदू सम्मेलनों के लिए आमंत्रित किया जा रहा है हिंदू सम्मेलन की तैयारी के साथ प्रत्येक मंदिरों एवं सार्वजनिक चौकों को विशेष रूप से सजाया एवं संवारा जा रहा है।

चित्रकूट में आधा सैकड़ा बंदरों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत इलाके में सनसनी; पुलिस और वन विभाग जांच में जुटे

सतना।

धर्मनगरी चित्रकूट के सीतापुर चौकी क्षेत्र में बंदरों की सामूहिक मौत का एक हृदयविदारक मामला सामने आया है। भगवान हनुमान का स्वरूप माने जाने वाले बंदरों के शव मिलने से स्थानीय लोगों में गहरा आक्रोश और दुख है। शुरुआती सूचना के अनुसार,शहर कोतवाली क्षेत्र की कुशवाहा बस्ती के पास बड़ी संख्या में बंदर मृत अवस्था में पाए गए।

घटना का विवरण

शहर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत सीतापुर चौकी की कुशवाहा बस्ती में स्थानीय निवासियों का दावा है कि

लगभग 50 (आधा सैकड़ा) बंदरों की जान गई है,जबकि पुलिस प्रशासन ने फिलहाल 24 (दो दर्जन) बंदरों की मौत की पुष्टि की है। सूचना मिलते ही पुलिस और वन विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। वन विभाग ने सभी मृत बंदरों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मौत का संभावित कारण

पुलिस और वन विभाग मामले की गहनता से जांच कर रहे हैं। प्राथमिक तौर पर यह कयास लगाए जा रहे हैं कि बंदरों की मौत हाई वोल्टेज करंट की चपेट में आने से हुई होगी। पुलिस आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या यह कोई मानवीय साजिश है या प्राकृतिक दुर्घटना। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि मौत के असली कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। स्थानीय निवासियों का कहना है कि एक साथ इतनी बड़ी संख्या में बंदरों का मरना चिंताजनक है और इसकी निष्पक्ष जांच कर दोषियों (यदि कोई हों) पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

सस्ता सीमेंट का झांसा देकर लाखों की ठगी

कटनी। माधवनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली न्यू एसीसी कॉलोनी में धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। एक जालसाज ने मोबाइल फोन के माध्यम से सस्ते सीमेंट का झांसा देकर एक बुजुर्ग व्यक्ति से 2,30,000 रुपये की ठगी कर ली। पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता धनेश लालवानी 61 वर्ष निवासी न्यू एसीसी कॉलोनी ने पुलिस को बताया कि उनके मोबाइल पर एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया था। आरोपी ने खुद को सीमेंट विक्रेता बताकर सस्ते दामों पर सीमेंट उपलब्ध कराने का लालच दिया।

शादी का झांसा देकर अस्मत से खिलवाड़

15 दिनों तक बंधक बनाकर किया दुष्कर्म, केशवाही पुलिस ने दबोचा

शहडोल। रिश्तों और विश्वास को कलंकित करने वाले एक सनसनीखेज मामले में केशवाही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक दरिंदे को सलाखों के पीछे भेज दिया है। आरोपी ने न केवल एक नाबालिग का अपहरण किया, बल्कि उसे दो सप्ताह तक बंधक बनाकर उसकी आबरू से खेलता रहा।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट और भारतीय न्याय संहिता की संगीन धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है। वारदात की शुरुआत एक पारिवारिक कार्यक्रम से हुई, जहाँ आरोपी जितेंद्र पाव उम्र 22 वर्ष निवासी चकौडिया ने नाबालिग पीड़िता को अपनी मीठी बातों में फंसाया। 3 जनवरी को आरोपी ने शादी का झांसा देकर मासूम को केशवाही बस स्टैंड बुलाया। वहाँ से वह उसे जबरन अपनी मोटरसाइकिल पर बैठाकर अपने गांव ले गया।

15 दिनों तक कैद में हैवानियत

पीड़िता ने पुलिस को अपनी आपबीती बताते हुए कहा कि आरोपी ने उसे करीब दो सप्ताह तक अपने घर में बंधक बनाकर रखा। इस दौरान आरोपी ने उसके साथ लगातार दुष्कर्म किया और विरोध करने पर मारपीट भी की। किसी तरह चंगुल से छूटकर जब पीड़िता अपने घर पहुँची, तब परिजनों के साथ थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। शिकायत मिलते ही बुढार थाना प्रभारी के नेतृत्व में केशवाही पुलिस ने जाल बिछाया। पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए 18 जनवरी को आरोपी जितेंद्र पाव को ग्राम चकौडिया से गिरफ्तार कर लिया। इस बड़ी कार्रवाई में उपनिरीक्षक गंगा सिंह मार्को, आरक्षक जितेंद्र राठौर और उमेश राठौर की अहम भूमिका रही।

शहडोल में खूनी भालू का तांडव

शहडोल। जिले के जंगलों में भालुओं का खूनी आतंक अब इंसानी बस्तियों के लिए काल बन गया है। गोहपारू और जैतपुर वन परिक्षेत्र में भालुओं की बढ़ती सक्रियता ने न केवल ग्रामीणों की नींद उड़ा दी है, बल्कि वन विभाग के दावों की भी पोल खोल दी है। महज 48 घंटों के भीतर जंगल में मौत का जो खेल शुरू हुआ, उसका अंत एक ग्रामीण और एक भालू, दोनों की मौत के साथ हुआ।

इंसान हारा, भालू भी नहीं बचा

गोहपारू के अटरिया जंगल में गुरुवार को जब चेतन यादव अपनी मवेशी चरा रहा था, तब एक आदमखोर भालू ने उस पर मौत बनकर हमला किया। भालू ने चेतन को संभलने का मौका तक नहीं दिया और मौके पर ही उसे मार डाला। हैरानी की बात यह है कि जिस भालू ने जान ली, वह खुद भी मौत के कगार पर खड़ा था। शुक्रवार को जब वन अमले ने उसकी घेराबंदी की, तो वह मरणासन्न हालत में मिला। रेस्क्यू कर उसे लफदा चौकी लाया गया, लेकिन इलाज के नाम पर सिर्फ औपचारिकता हुई और शनिवार रात उसने दम तोड़ दिया। अब सवाल यह है कि क्या यह भालू पहले से संक्रमित था? अगर हाँ, तो विभाग ने पहले इसकी सुध क्यों नहीं ली?

जैतपुर में कुरकुरे का शौकीन भालू

इधर जैतपुर के रसमोहनी इलाके में भालू का खौफ किसी हॉरर फिल्म जैसा हो गया है। पिछले दो महीनों से एक भालू सडक़ों पर खुलेआम घूम रहा है, वाहनों पर चढक़र कुरकुरे खा रहा है और लोगों को डरा रहा है। इसी इलाके में भालू के हमलों से अब तक दो लोगों की जान जा चुकी है, लेकिन वन विभाग अब भी सिर्फ निगरानी और तैयारी के नाम पर वक्त काट रहा है। बाजार तक भालू की पहुंच ने प्रशासन की चौकसी पर बड़ा सवालिया निशान खड़ा कर दिया है।

जिम्मेदारों की चुप्पी और बढ़ती मौतें

गोहपारू रेंजर का कहना है कि भालू बुजुर्ग और बीमार था, लेकिन सवाल यह है कि क्या वन विभाग सिर्फ मौत का इंतजार कर रहा था? जैतपुर में भी भालू के आतंक को दो महीने बीत चुके हैं, फिर भी विभाग किसी बड़े हादसे के इंतजार में है। क्या आम आदमी की जान की कीमत वन विभाग की फाइलों से भी कम है?

इनका कहना है...

रसमोहनी क्षेत्र में देखे गए भालू को रेस्क्यू करने की तैयारी की जा रही है। रविवार रात पिंजरा लगाने की योजना है, ताकि भालू को सुरक्षित पकडक़र जंगल में छोड़ा जा सके।

श्रद्धा पेंद्रो, डीएफओ
दक्षिण वन मण्डल शहडोल

पेन्ट गोदाम में लगी भीषण आग, सिरोठिया परिवार का करीब एक करोड़ का नुकसान

छतरपुर।

शहर के सिटी कोतवाली के अंतर्गत नौगांव रोड़ में रिलायंस पेट्रोल पम्प के ठीक पीछे मठोले लक्ष्मण साहू के कैम्पस में सिरोठिया पेन्ट के गोदाम में अचानक आग भड़क गई। जिससे व्यापारी का करीब 1 करोड़ रूपये का नुकसान हो गया। गनीमत यह रही कि नगर पालिका की फायर बिग्रेडों और स्थानीय लोगों ने मिलकर आग पर काबू पा लिया, अन्यथा बड़ा हादसा हो जाता। क्योंकि चंद कदम की दूरी पर रिलायंस पेट्रोल पम्प था और अगर आग पेट्रोल पम्प तक पहुंच जाती तो कोई बड़ा हादसा हो सकता था। घटना सुबह 10 बजे की बताई जा रही है कई घंटे की मेहनत के बाद आग पर काबू पाया गया। फिर भी व्यापारी का 1 करोड़ के आसपास का नुकसान हो गया वह एशियन बर्जर पेन्ट के थोक डीलर है और दूधनाथ मंदिर के पास उनकी सिरोठिया पेन्ट के नाम से दुकान है। इस आगजनी की सूचना मिलने पर सीएसपी अरूण सोनी, एसडीएम अखिल राठौर, तहसीलदार पियूष दीक्षित, कोतवाली टीआई अरबिंद दांगी, थाना ओरछा रोड़ प्रभारी दीपक यादव, नगरपालिका के स्वच्छता निरीक्षक संजेश नायक सहित नगर पालिका का अमला और पुलिस बल मौजूद रहा।

पुलिस एवं राजस्व विभाग के आला अधिकारी रहे मौजूद, जबलपुर से पहुंची टीम

आधी रात तक डरे सहमे रहे ग्रामीण, पकड़ में नहीं आया तेंदुआ, पिंजरा देखते ही भागा

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

बहोरीबंद वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम राखी में तेंदुआ के आ जाने वं ग्रामीण पर हमला करने के बा शनिवार की रात 12 बजे तक हड़कंप की स्थिति बनी रही है। गांव में तेंदुआ की मौजूदगी के चलते ग्रामीणजन डरे सहमे रहे। ग्रामीण पर हमला करने के बाद तेंदुआ भागा और दो दीवारों के बीच तंग रास्ते में फंस गया। ग्रामीणों द्वारा वन विभाग एवं पुलिस विभाग को तत्काल जानकारी दी गईं।

जानकारी लगते ही स्लीमनाबाद एसडीओपी आकांक्षा चतुर्वेदी, नायब तहसीलदार राजकुमार नामदेव, वन परिक्षेत्र अधिकारी देवेश गौतम, थाना प्रभारी सुदेश सुमन, अखिलेश दाहिया पुलिस बल व वन अमले के साथ मौक़े पर पहुंचें। पुलिस व वन अमले के कर्मचारी हाथों में लाठी-डंडा लिए खडे रहे। वही जानकारी लगते ही डीएफओ गर्वित गंगवार भी मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन की तैयारी शुरू की।

रात 1 बजे तक रही दहशत

जबलपुर से वेटनरी डॉक्टर की टीम मौके पर पहुंची। रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए पिंजरा आने में देरी हो रही थी जिससे गांव के लोगों में आक्रोश नजर आया। 6 घंटे से फंसा तेंदुआ जैसे ही पिंजरा मौके पर पहुंचा और रेस्क्यू ऑपरेशन की बारी आई तब उच्च अधिकारियों ने मकान के छत पर चढ़कर देखा तो तेंदुआ भाग खड़ा हुआ था। शाम 6 बजे से रात्रि 1 बजे तक गाँव में हड़कंप की स्थिति निर्मित रही। लोगों में दहशत का माहौल रहा कि आखिर तेंदुआ कहा गया।

दूसरे दिन भी अलर्ट रहा वन विभाग

राखी गाँव में तेंदुआ की आमद से शनिवार को भी बहोरीबंद वन विभाग का अमला अलर्ट मोड़ पर रहा है। गाँव से लगे जंगल में निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया गया। गौरतलब है राखी गाँव से लगे जंगल में दो-तीन तेदुआ अपना डेरा डाले हुये है जो अचानक बीच बीच में गाँव की ओर आ जाता है। वन परिक्षेत्र अधिकारी देवेश गौतम ने बताया कि वन विभाग की टीम सतर्क है, लोग सुरक्षित रहे, वन्य जीवों से कोई नुकसान न हो इसके लिए वन विभाग की टीम अलर्ट मोड़ पर काम कर रही है।

ब्रम्ह मुहूर्त से नर्मदा तटों पर लगी आस्था की डुबकी

मौनी अमावस्या पर नर्मदा तटों पर उमड़ी भीड़

जबलपुर। रविवार 18 जनवरी को मौनी (माघी) अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की और नर्मदा में डुबकी लगाकर दान पुण्य किया। ठंड एवं शीतलहर के बावजूद तड़के चार बजे से श्रद्धालुओं का नर्मदा तटों पर पहुंचना प्रारंभ हो गया था। हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पुण्य सलिला मां नर्मदा के पावन तटों पर डुबकी लगाई।

ज्योतिषियों के मुताबिक मौनी अमावस्या पर धर्मावलंबियों में खासा उत्साह रहा। पंडितों के अनुसार माघ में पड़ने के कारण इसे माघी अमावस्या भी कहते हैं। मौनी अमावस्या को मौन व्रत रखने का अपना अलग ही महत्व है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा और नर्मदा का स्नान करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। पीपल के पेड़ की 108 बार परिक्रमा करने का भी विधान है। महिलाओं ने पूरी आस्था के साथ इस विधान को पूरा किया। मान्यतानुसार पीपल के वृक्ष में 36 कोटि देवी-देवताओं का वास होता है। अमावस्या पर पूजन से सभी मन्नतें पूरी होती हैं। इस वर्ष मौनी अमावस्या पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने नर्मदा के पावन तटों पर स्नान किया। जबलपुर नर्मदा का पावन तट है, यहां गौरीघाट, भेड़ाघाट, लम्हेटाघाट और तिलवाराघाट में भी स्नानार्थियों का मेला लगा रहा। ब्रम्ह मुहूर्त में स्नान करने वालों की संख्या भी बहुतायत में रही। सुबह 4 बजे से नर्मदा तट पर स्नान करने वालों की भीड़ लगना शुरू हो गई थी। ज्यों ज्यों दिन चढ़ता गया, स्नानार्थियों की भीड़ भी बढ़ती गई। टैम्पो व ऑटो रिक्शा वालों ने मौके का फायदा उठाकर मनमाने दाम वसूले।

क्या है महत्व

मौनी अमावस्या का पुराणों में विशेष महात्म्य बतलाया गया हैं। मौनी अमावस्या भी स्नान दान का पर्व है। धार्मिक ग्रन्थों में उल्लेख है कि इस दिन स्नान-दान करने से पापों का नाश होता है। इस दिन व्रत रहकर मौन स्नान-दान करने से संतान को सुख एवं परिवार में शांति व समृद्धि बनी रहती है। स्त्रियों को वैधव्य नहीं होता और चिरकाल तक सौभाग्य मिलता रहता है। अमावस्या पितृ कार्य का दिन है और चन्द्रलोक ही पितृलोक का निवास स्थान है। इस दिन पितरो के तर्पण, पशु पक्षियों को भोजन कराने, और जरूरतमंदों को दान करने से पितृ प्रसन्न होते है और लोगों को पितृ दोष से मुक्ति मिलती है।

महर्षि विश्वात्मा बावरा जी का जन्मोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया

जबलपुर। वनवासी चेतना आश्रम, जिलहरी घाट में परम पूज्य गुरुदेव महर्षि विश्वात्मा बावरा जी महाराज का 91वां जन्मोत्सव एवं 66वां संन्यास दिवस श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ मनाया गया। यह आयोजन परम पूज्य ज्ञानेश्वरी दीदी, स्वामी अखिलेश्वरानंद जी, साध्वी विभानंद गिरी, स्वामी प्रज्ञा भारती जी एवं स्वामी मैत्रेयी दीदी जी के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत नेमा समाज मंडल की टीम द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। सुंदरकांड के उपरांत गुरुदेव की पादुकाओं का विधिवत पूजन किया गया।

इस अवसर पर चतुर्थ वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस के आयोजन सचिव डॉ. अखिलेश गुमाश्ता सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आश्रम की शिक्षिकाओं एवं छात्राओं ने भी श्रद्धापूर्वक सहभागिता की। पूज्य ज्ञानेश्वरी दीदी ने गुरुदेव के तपस्वी जीवन, आध्यात्मिक साधना एवं समाज सेवा पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

एमपी ट्रांसको ने 500 एमवीए का अतिरिक्त पावर ट्रांसफॉर्मर किया ऊर्जीकृत

प्रदेश के पारेषण नेटवर्क की विश्वसनीयता में इजाफा

जबलपुर। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के नियोजन मानदंडों के अनुरूप मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने प्रदेश में बढ़ती विद्युत मांग को ध्यान में रखते हुए 400 केवी उपकेंद्र में 500 एमवीए क्षमता के अतिरिक्त पावर ट्रांसफॉर्मर को सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत किया है। इस अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मर के चालू होने से पारेषण नेटवर्क की विश्वसनीयता बढ़ेगी, ओवरलोड की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था सुदृढ़ होगी तथा उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। एमपी ट्रांसको के अनुसार यह कदम भविष्य की बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने और ट्रांसमिशन सिस्टम को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

संक्रांति पर क्षत्रिय मराठा समाज महिला मंडल का हल्दी-कुमकुम आयोजन

जबलपुर।

संक्रांति पर्व के अवसर पर क्षत्रिय मराठा समाज महिला मंडल द्वारा महाराष्ट्रियन परंपरा अनुसार दत्त मंदिर में हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने पारंपरिक रूप से हल्दी-कुमकुम किया तथा सुहागिन महिलाओं को सौभाग्य सामग्री भेंट की गई। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की आकर्षक श्रृंखला भी आयोजित की गई, जिसमें गीत-संगीत एवं मनोरंजक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया। आयोजन में पार्षद सौ. प्रतिभा भापकर सहित प्रतिभा जाधव, माया सोनोने, शोभा शिंदे, श्यामाताई सोनोने, शोभाताई काकड़े, सविता जाधव, प्रतिभा सोनोने, स्मिता वाघ एवं शीतल काळे उपस्थित रहीं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में दीपा काकड़े, स्वाति सपकाळ, दीपाली सालुंके, शुभांगी काकड़े, माधवी

जाधव, माधुरी भोसले, सुवर्णा शिंदे, नैना चौधरी, नव्या खोसे सहित अन्य सहभागियों ने मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के आयोजन एवं संचालन में सौ. रंजना सोनोने, निधि सवडतकर, अर्चना सोनोने, प्रतिभा सालुंके एवं संध्या सोनोने की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अंत में महिला मंडल द्वारा सभी के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

पुलिस प्रशासन के विरोध में कांग्रेस का सांकेतिक घेराव 20 जनवरी को

जबलपुर। शहर में बिगड़ती कानून-व्यवस्था, बढ़ते अपराध और पुलिस प्रशासन की निष्क्रिय व पक्षपातपूर्ण कार्यप्रणाली के विरोध में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा 20 जनवरी 2026 (मंगलवार) को सांकेतिक घेराव एवं शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। यह आंदोलन दोपहर 1 बजे रामलीला मैदान (बाई का बगीचा) से पुलिस अधीक्षक कार्यालय, जबलपुर तक आयोजित होगा। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि शहर में हत्या, चाकूबाजी, लूट, अवैध वसूली, महिलाओं से अभद्रता, जुआ-सट्टा एवं नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार में लगातार वृद्धि हो रही है, जबकि पुलिस प्रशासन अपराध नियंत्रण में विफल साबित हो रहा है। साथ ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर कथित रूप से झूठे एवं राजनीतिक प्रतिशोध से प्रेरित मामले दर्ज किए जाने का भी विरोध किया जाएगा। कांग्रेस ने हाल के दिनों में हुई कई गंभीर घटनाओं का उल्लेख करते हुए अपराधियों पर सख्त कार्रवाई, अवैध नशे व जुआ-सट्टा पर पूर्ण प्रतिबंध, निर्दोष नागरिकों को झूठे मामलों में न फंसाने और पुलिस प्रशासन को जवाबदेह बनाने की मांग की है। इस आंदोलन में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में शहर के जागरूक नागरिक शामिल होंगे।

नवोदित प्रतिभाओं व वरिष्ठजनों का हुआ सम्मान

नेमा समाज का भव्य वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न

जबलपुर।

नेमा युवक संघ जबलपुर के संयोजन में नेमा समाज का वार्षिकोत्सव समारोह भेड़ाघाट रोड स्थित ध्रुव तारा होटल में सम्पन्न हुआ। तदाशय की जानकारी देते हुये संघाध्यक्ष राकेश नेमा एवं सचिव आनंद नेमा ने बताया कि आयोजन में 70 वर्ष आयु पूर्ण करने वाली 51 मातृशक्तियों एवं स्वाजातीय वरिष्ठजनों का सम्मान तथा शैक्षणिक सत्र 2024 व 2025 में बोर्ड परीक्षा कक्षा 10वीं, 12वीं स्तर से महाविद्यालय व विश्वविद्यालयीन स्तर तक की विभिन्न परीक्षाओं में विशिष्ट उपलब्धि तथा विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्टता प्राप्त उदीयमान 35 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

द्वितीय चरण में विभिन्न सांस्कृतिक, साहित्यिक कार्यक्रम व खेल प्रतियोगिताएँ एवं समसामयिक विषयों पर प्रश्न मंच और वनभोज के आयोजन उपरांत आकर्षक पुरस्कार वितरण हुआ। इस अवसर पर डॉ. गोविन्द प्रसाद, डॉ. पी. नेमा, राकेश नेमा, आनंद नेमा, विनीता नेमा, सीमा, श्वेता, मंजुला, निधि नेमा, अजय कमल, शैलेन्द्र, मनीष गुप्ता, डॉ. संदीप नेमा, राघवेन्द्र, शरद भरत, सत्यनारायण नेमा आदि स्वाजातीयजन शामिल रहे।

खेलो एमपी यूथ गेम्स एथलेटिक की जिला स्तरीय प्रतियोगिता सम्पन्न

जबलपुर। जबलपुर जिला एथलेटिक संघ के जिला सचिव रॉबर्ट मार्टिन ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि आज गोकलपुर स्थित एथलेटिक स्टेडियम में खेलो एमपी यूथ गेम्स की जबलपुर जिले की चयन प्रतियोगिता खेल युवा कल्याण विभाग एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ट्रेक एंड फील्ड के 12 इवेन्टस कराए गए। जिसमें सभी एथलीटों ने अपना शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वालीफाई किया। क्वालीफाई करने वाले प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त एथलीट जबलपुर जिले की टीम में शामिल किए गए हैं जो कि भोपाल में दिनांक 28/01/2026 से होने जा रही राज्य स्तरीय खेलो एमपी यूथ गेम्स एथलेटिक प्रतियोगिता में भाग लेंगे। चयनित एथलीट पूर्ण जानकारी हेतु खेल युवा कल्याण विभाग रानीताल से सम्पर्क कर सकते हैं। चयन प्रतियोगिता के दौरान समय-समय पर खेल युवा कल्याण विभाग के

जिला क्रीड़ा अधिकरी आशीष पांडे एवं जिला शिक्षा क्रीड़ा अधिकारी मधुमिता हाजरा द्वारा उपस्थित होकर चयन प्रतियोगिता का निरीक्षण किया गया। इस दौरान कोऑडिनेटर दुर्गेश पटेल एवं विकास सिंह का सहयोग सराहनीय रहा। प्रतियोगिता को सम्पन्न कराने में रॉबर्ट मार्टिन, चन्द्रशेखर स्वामी, दिनेश गोंड़, राकेश श्रीवास, धनराज पिल्ले, मीनल चैतन्य, सारिका सिंह खान, पूनम कुण्डे, सुधीर अवधिया, प्रियंका खरे, सुषमा वर्मा, मोदित रजक, डी.के. शशिरमन स्वामी, पूजा सोनकर, अशोक राय आदि ने अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

विशाल शतचण्डी महायज्ञ 23 से

जबलपुर। आदि शक्ति दरबार, बावली महाराजपुर द्वारा माँ चन्द्रमोलेश्वरी के 15वें स्थापना दिवस पर विशाल शतचण्डी महायज्ञ का आयोजन 23 जनवरी से 02 फरवरी तक मंदिर प्रांगण में किया गया है। प्रथम दिवस 23 जनवरी को प्रातः 10.30 बजे मंदिर प्रांगण से विशाल शोभायात्रा नगर भ्रमण कर पुनः यज्ञ स्थल पहुंचेगी जहां पंचांग पूजन, मंडप प्रवेश के साथ शतचण्डी महायज्ञ प्रारंभ होगा। 02 फरवरी को कन्याभोज एवं भंडारे के साथ शतचण्डी महायज्ञ का समापन होगा। मंदिर समिति ने समस्त श्रद्धालुओं से धर्म लेने की अपील की

एमएसएमई योजनाओं पर जागरूकता कार्यशाला आज

जबलपुर। छोटे व्यवसायों को प्रोत्साहन, रोजगार सृजन एवं अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के उद्देश्य से भारत सरकार के एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) मंत्रालय द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी देने हेतु एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन 20 जनवरी 2026 को दोपहर 2 बजे डी.एन. जैन स्कूल, गोल बाजार, जबलपुर में किया जाएगा।यह कार्यक्रम जैन समाज की पहल पर परम पूज्य 108 मुनि प्रमाण सागर महाराज जी के सानिध्य में सम्पन्न होगा। कार्यशाला में उद्यमी, नए एवं युवा उद्यमी, महिला उद्यमी, व्यवसायी, बेरोजगार युवक-युवतियां, डॉक्टर्स, इंजीनियर्स सहित व्यवसाय शुरू करने या विस्तार करने के इच्छुक लोगों को आमंत्रित किया गया है।

भगवान कुबेर की प्राचीन प्रतिमा मंदिर व बावली के संरक्षण की मांग

जबलपुर। आर्यन गार्डन, तेवर में आयोजित लोधी समाज के कार्यक्रम के दौरान मध्यप्रदेश शासन के सांस्कृतिक एवं पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी को ग्राम पंचायत पडुआ के पोषक ग्राम जमुनिया में स्थित भगवान कुबेर की प्राचीन प्रतिमा, मंदिर एवं बावली के संरक्षण हेतु मांगपत्र सौंपा गया। यह मांगपत्र रूपेश पटेल (जिला महामंत्री), चतुरसिंह नगर पंचायत भेड़ाघाट अध्यक्ष, वर्षाशिव पटेल सरपंच ग्राम पंचायत पडुआ तथा शिवप्रसाद पटेल पूर्व सरपंच एवं जिला संयोजक खेल प्रकोष्ठ द्वारा दिया गया। मांगपत्र में उल्लेख किया गया कि ग्राम पंचायत पडुआ द्वारा पूर्व में भी उक्त मंदिर के जीर्णोद्धार हेतु आवेदन दिया जा चुका है, किंतु अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। जमुनिया गांव में स्थित भगवान कुबेर की प्राचीन प्रतिमाएं, मंदिर एवं तलाबनुमा बावली वर्तमान में जीर्ण-क्षीण अवस्था में हैं, जिनका संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। बताया गया कि यह क्षेत्र कल्चुरीकालीन धरोहरों से समृद्ध भेड़ाघाट-तेवर क्षेत्र से लगा हुआ है, जहां पग-पग पर पुरातात्विक अवशेष मिलते हैं। पूर्व में बरगी विधानसभा की तत्कालीन विधायक प्रतिभा सिंह द्वारा भी इस धरोहर के संरक्षण हेतु पुरातत्व विभाग को निर्देश दिए गए थे, जिसके बाद विभाग द्वारा सर्वे कर इसे कल्चुरीकालीन धरोहर बताया गया। मांगकर्ताओं ने बताया कि यह कल्चुरीकालीन भगवान कुबेर का संभवतः विश्व का एकमात्र मंदिर है। यदि इसका संरक्षण किया जाता है तो क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, रोजगार के अवसर सृजित होंगे तथा आने वाली पीढ़ियों को भारतीय संस्कृति और इतिहास से परिचित होने का अवसर मिलेगा। साथ ही शोधकर्ताओं को अध्ययन सामग्री उपलब्ध होगी। उन्होंने आशंका जताई कि संरक्षण न होने की स्थिति में यह अमूल्य धरोहर नष्ट या चोरी हो सकती है। अतः मंत्री से विनम्र निवेदन किया गया कि इस ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण एवं जीर्णोद्धार हेतु शीघ्र आवश्यक कार्रवाई की जाए।

गोहलपुर दीनदयाल बस्ती में सम्पन्न हुआ विराट हिन्दू सम्मेलन

जबलपुर। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने पर हिन्दू धर्म की एकता, सामाजिक समरसता, शिक्षा और स्वास्थ्य के उद्देश्य से पूरे भारत में हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। 18 जनवरी को गोहलपुर बस्ती दीनदयाल नगर के तत्वावधान में अग्रवाल लॉन गोहलपुर में संतों और क्षेत्रीयजनों की उपस्थिति में विराट हिन्दू धर्म सम्मेलन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना एवं हनुमान चालीसा से हुई। इस आयोजन में बच्चों ने सांस्कृतिक गीतों में प्रस्तुति दी एवं कई उमरती सामाजिक समस्याओं जैसे सोशल मीडिया के दुरुपयोग, मादक द्रव्यों का नशा तथा पाश्चात्य सभ्यता के अंधानुकरण के संदर्भ में नाट्यमंचन किया गया, साथ ही मंच पर आसीन संतों ने हिन्दू धर्म एवं भारतीय संस्कृति के गौरवपूर्ण इतिहास से अवगत कराया और लोगों को हिन्दू धर्म के सिद्धांतों पर चलकर भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर महंत राजेश्वर नन्द, साध्वी दीदी, सेवा भारती प्रान्त संघठन मंत्री आत्माराम, प्रताप प्रजापति, मुकेश पटेल, रुपेश पिंटू पटेल, रोहिणी विश्वकर्मा, गजेंद्र कोष्टि, मुरली दुबे, मनोज पटेल, सुनील पटेल, प्रदीप मिश्रा, नरेंद्र पटेल, मुकेश कुमार सेन, प्रवीण नामदेव, अजय अधिकार, रोहित पटेल एवं क्षेत्रीयजन उपस्थित रहे।